परिशिष्ट सारणी IV.13 : सूक्ष्म वित्त कार्यक्रमों की प्रगति

(मार्च के अंत में)

मद	स्वयं सहायता समूह									
	संख्या (₹ लाख में)					राशि (₹ करोड़ में)				
	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
बैंकों द्वारा संवितरित ऋण	19.0 (9.9)	22.6 (13.8)	27.0 (17.8)	31.5 (22.1)	28.9 (17.0)	38,781 (20,012.0)	47,186 (27,479.3)	58,318 (36,818.5)	77,659 (55,589.9)	58,071 (31,755.1)
बैंकों का बकाया ऋण	48.5 (28.1)	50.2 (30.8)	50.8 (35.1)	56.8 (39.6)	57.8 (36.0)	61,581 (34,127.7)	75,599 (43,575.9)	87,098 (58,431.6)	1,08,075 (73,183.9)	1,03,290 (61,393.1)
बैंकों के पास बचत	85.8 (42.9)	87.4 (46.1)	100.1 (60.2)	102.4 (62.6)	112.2 (70.1)	16,114 (8,679.6)	19,592 (11,784.8)	23,325 (14,481.6)	26,152 (15,836.3)	37,478 (21,308.4)
	सूक्ष्म वित्त संस्थाएं									
	संख्या					राशि (₹ करोड़ में)				
बैंकों द्वारा संवितरित ऋण	2,314.0	1,922.0	1,933.0	4,762.0	28,562.0	19,304	25,515	14,626	20,226	12,739
बैंकों का बकाया ऋण	5,357.0	5,073.0	5,488.0	15,197.0	61,181.0	29,225	32,306	17,761	29,289	22,602
	संयुक्त देयता समूह									
	संख्या (₹ लाख में)					राशि (₹ करोड़ में)				
बैंकों द्वारा संवितरित ऋण (वित्तीय वर्ष के दौरान)	7.0	10.2	16.0	41.8	41.3	9,511	13,955	30,947	83,103	58,312

टिप्पणियां : 1. कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े 2016-17, 2017-18, 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के तहत शामिल एसएचजी का विवरण देते हैं।

2. बैंकों से ऋण लेने वाले एमएफआई की वास्तविक संख्या खातों की संख्या से कम होगी, क्योंकि अधिकांश एमएफआई एक ही बैंक से कई बार और एकाधिक बैंकों से भी ऋण लेते हैं।

स्रोत: नाबार्ड